Navbharat Times
New Delhi, 19 April 2025

स्कॉटलैंड में जन्मे पर दिल में भारत था, ऐटकेन का 90 साल की उम्र में निधन

■ NBT रिपोर्ट

बिल ऐटकेन जन्मे स्कॉटलैंड में थे, लेकिन उनके दिल में भारत बसा। उनका 90 साल की उम्र में बुधवार रात देहरादून में निधन हो गया। उन्होंने 6 दशक से ज्यादा भारत में बिताए और यहां के भौगोलिक-आध्यात्मिक पहलू को अपने लेखों में पिरोया।

ऐटकेन सड़क के रास्ते यूरोप, ईरान, पाकिस्तान होते हुए 1959 में भारत पहुंचे थे

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, कुछ दिन पहले मसूरी के अपने घर में गिरने से उन्हें गंभीर चोटें आई थीं। गुरुवार को उनकी आखिरी इच्छा के मुताबिक हरिद्वार में गंगा किनारे उनका अंतिम संस्कार किया गया।

ऐटकेन का जन्म 1934 में स्कॉटलैंड में हुआ था। उन्होंने धर्मों की तुलनात्मक पढ़ाई की और 1959 में भारत पहुंचे। वे हवाई जहाज से नहीं, बल्कि सड़क के रास्ते यूरोप, ईरान और पाकिस्तान होते हुए भारत आए थे। यही यात्रा बाद में 'हिप्पी ट्रेल' के नाम से मशहूर हुई। भारत आने के बाद वे कोलकाता में कुछ समय पढ़ाते रहे, फिर उत्तराखंड के कौसानी और मिरटोला के आश्रमों में वर्षों तक रहे। यहीं से उनका भारत के प्रति लगाव गहरा हुआ। बाद में वे मसूरी में रहने लगे और 1972 में भारत की नागरिकता ली।

बिल ऐटकेन ने Seven Sacred Rivers, Footloose in the Himalaya और Exploring Indian Railways जैसी किताबें लिखीं। उनका लेखन सादगी से भरा था, लेकिन उसमें गहराई थी।